

कर सकता हूँ कि जो नोटिस दिये जायें उन का जवाब मुझे से यहां हाउस में तलब किया जाए श्री मैं हर एक का जवाब दूँ। यह मेरे लिये तो नामुमकिन है। यह जरूर होगा कि कोई मੈम्बर महसूस करे कि कोई सावाल ज्यादा महत्ता का है उन के खयाल में और मैं ने उसे नामंजूर कर दिया है। लेकिन उस के लिए मैं ने कई बार कहा है कि वह मुझ से आ कर मिल सकता है या मुझ को लिख कर भेज सकता है और मैं दुबारा गौर करने को तैयार हूँ। कई बार मैं ने ऐसा किया है। अगर यह कहा जाए जैसे मधु लिमये साहब ने कहा है कि उठाने की इजाजत दी जाए और हाउस चाहे तो मंजूर करे, तब मुझे कोई एतराज नहीं है . . . . .

कुछ माननीय सदस्य : नो

अध्यक्ष महोदय : अगर सिर्फ अपोजीशन ही कह दे कि यह रखा जाए तो भी मैं बैसा करने के लिये तैयार हूँ। वोट करते चले जायेंगे और फैसले होते चले जायेंगे . . . . .

श्री बागड़ी : उन को रखा जाए।

Shri Kapur Singh (Ludhiana):  
That is not our demand.

अध्यक्ष महोदय : हाउस ने करना है। सिर्फ एक अपोजीशन के मेम्बर की बात को मैं कैसे मान लूँ।

श्री बागड़ी : श्री कपूर सिंह की आवाज से भी नहीं होता है।

अध्यक्ष महोदय : आप चाहें तो मैं वोट ले सकता हूँ।

श्री बागड़ी : जरूर :

अध्यक्ष महोदय : अगर जोर देते हैं तो जो लोग चाहते हैं कि हाउस फैसला करे तो वे अपनी अपनी जगहों पर खड़े हो जायें।

श्री बाग : यह बात नहीं है।

अध्यक्ष महोदय : वह कहते थे कि सारी अपोजीशन मेरे साथ है। जो हैं उन के साथ वे खड़े हो जायें . . . .

श्री बागड़ी : मैं यह नहीं कह रहा हूँ। मैं ने तो यह कहा है कि जो आप के पास आये उस को पढ़ कर आप को सुनाना चाहिये।

अध्यक्ष महोदय : यह भी नहीं हो सकता है कि मैं पढ़ कर सुनाऊँ। मैं ने बहुत दफा कहा है कि जब कोई फैसला हो गया और कई बार हो गया उस को रोज रोज फिर से रोज किया जाए और फिर उस का वही जवाब देता जाऊँ और यह सवाल उठता चला जाए यह नहीं होगा। बार बार उसी चीज को उठाया जाए यह नहीं हो सकता है। किसी को कोई शिकायत हो, कोई समस्या हो कि सवाल ज्यादा महत्ता का है और वह मेरे पास आना न चाहता हो तो मुझे लिख दे, मैं जरूर विचार करूंगा और जरूरत समझूंगा तो ले लूंगा। लेकिन कोई खड़ा हो कर कहना शुरू कर दे तो इस को मैं नहीं सुन सकता हूँ।

12.34 hrs.

#### PAPERS LAID ON THE TABLE

#### NOTIFICATIONS UNDER SECTION 38 OF PREVENTION OF CRUELTY TO ANIMALS ACT

The Deputy Minister in the Ministry of Food and Agriculture (Shri Shah Nawaz Khan): I beg to lay on the Table a copy each of the following Notifications under sub-section (4) of section 38 of the Prevention of Cruelty to Animals Act, 1960:

- (i) The Prevention of Cruelty to Animals (Licensing of Farriers) Rules 1965, published in Notification No. S.O. 1043 dated the 3rd April, 1965.
- (ii) The Prevention of Cruelty to Draught and Pack Animals

[Shri Shahnawaz Khan.]

Rules, 1965, published in Notification No. S.O. 1044 dated the 3rd April, 1965.

[Placed in Library. See No. LS-4335] 65].

12.34½ hrs.

# COMMITTEE ON SUBORDINATE LEGISLATION

## MINUTES

**Shri Krishnamoorthy Rao** (Shimoga): I beg to lay on the Table the Minutes of the Tenth, Eleventh and Twelfth sittings of the Committee on Subordinate Legislation.

## FOURTH REPORT

**Shri Krishnamoorthy Rao:** I beg to present the Fourth Report of the Committee on Subordinate Legislation.

12.34½ hrs.

# COMMITTEE ON PUBLIC UNDER- TAKINGS

## EIGHTH REPORT

**Shri P. G. Menon** (Mukundapuram): I beg to present the Eighth Report of the Committee on Public Undertakings on Townships and Factory Buildings of Public Undertakings.

12.34½ hrs.

# RE. SITUATION ON KUTCH-SIND BORDER

**Shri Hari Vishnu Kamath** (Hoshangabad): Before the House resumes discussion on the Finance Bill, by your leave, may I request the Prime Minister, who is present in the House, to make a statement on the present

situation on the Kutch-Sind border in view of the diverse reports in the press, conflicting reports?

**Mr. Speaker:** It is for him to make a statement if he wants to.

**Shri Hari Vishnu Kamath:** Is he not prepared to make a statement? There are press reports regarding cease-fire, and about Pakistani firing. I think he should make a clarificatory statement. I think he is prepared to make one; I see him rising. (Interruption).

**Mr. Speaker:** Order, order.

**Shri D. C. Sharma** (Gurdaspur): Sometime back, you stated that you would not have any list from any party so far as the selection of speakers is concerned, and we thought that you would be sticking to that decision. But I learn that yesterday again lists have been sent to you and you are now going by those lists. I want to know whether it is a fact.

**Mr. Speaker:** I never said that I would not have any lists. The parties have every right to send me their list. I only said that the overriding consideration would be catching the eye. The lists can be sent and the lists may be of assistance also.

**Shri D. C. Sharma:** There are some Members who stand a dozen times and yet they do not catch your eye, because you go by the lists.

**Mr. Speaker:** That is wrong. It is not correct that I strictly go by the list. It is just possible that someone might not have caught my eye on some subjects. But that is a different thing altogether.

**Shri Hari Vishnu Kamath:** I request that if the Prime Minister is making a statement late in the day, he may tell us the time.

**Mr. Speaker:** If there is anything like that, I will inform the House.